हौसलों की जीत... गलत हुआ तो आवाज उठाना जरूरी

- बुजुर्ग ने 699 रु. के गलत बिजली बिल के खिलाफ लड़ी जंग
- बिल राशि समायोजन के साथ ही मिला 5 हजार का हर्जाना

इंदौर. सरकारी तंत्र की लापरवाही और उपभोक्ता अधिकारों की अनदेखी के खिलाफ लड़ने का साहस हर किसी में नहीं होता, लेकिन 72 साल के धन्नालाल पावेचा ने यह साबित कर दिया कि अगर हक सही हो तो आवाज उठाना जरूरी है. महज 699 रुपए के गलत बिजली बिल में सुधार के लिए उन्होंने महीनों तक बिजली विभाग के दफ्तरों के चक्कर लगाए, लेकिन समाधान न निकलने पर अंतत: उपभोक्ता फोरम में मामला दर्ज कर न्याय हासिल किया.

परदेशीपुरा थाने के सामने 4 गुणा 6 फीट की छोटी सी गुमटी में चाय-नाश्ते की दुकान चलाने वाले धन्नालाल का बिजली बिल आमतौर पर 200 से 250 रुपए आता था. अक्टूबर 2023 में जब उन्हें 699 रुपए का बिल मिला तो उन्होंने बिजली कंपनी से सुधार की मांग की. कई बार झोनल कार्यालय और पोलोग्राउंड मुख्यालय जाने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई. थक-हारकर चुप बैठने के बजाय धन्नालाल ने न्याय का रास्ता चुना और 9 जुलाई 2024 को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग में परिवाद दायर किया. उन्होंने बिजली कंपनी और उसके इंजीनियरों को पक्षकार बनाया. फोरम ने बार-बार नोटिस भेजे, लेकिन कंपनी की ओर से कोई जवाब नहीं आया. अंतत: 14 अक्टूबर 2025 को आयोग नम्बर 2 ने धन्नालाल के पक्ष में निर्णय देते हुए आदेश दिया कि 699 रुपए की अतिरिक्त राशि समायोजित की जाए और कंपनी धन्नालाल को मानसिक, आर्थिक और शारीरिक कष्ट के एवज में 5 हजार रुपए का मुआवजा दे.

सीजन में की थी बिजली बंद, हुआ नुकसान

धन्नालाल ने बताया कि जब वे बिल सुधार की मांग कर रहे थे, तब नाराज इंजीनियर ने अनंत चतुर्दशी के सीजन में तीन-चार दिन उनकी बिजली ही बंद करवा दी, जिससे दुकान बंद रही और आर्थिक नुकसान हुआ. इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और न्याय के लिए लगातार डटे रहे. धन्नालाल की जिद और जज्बे ने यह साबित किया है कि अगर अन्याय हो तो आवाज उठाना न केवल हक है, बल्कि बदलाव की शुरुआत भी है.

लक्जरी लाइफ के लिए करते थे चेन स्नैचिंग की वारदातें

- कनाड़िया पुलिस ने पकड़े दो शातिर चेन स्नैचर

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में चेन स्नैचिंग की बढ़ती घटनाओं पर लगाम कसने के चलते कनाड़िया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने दो ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया है, जो खुद को स्टूडेंट बताकर शहर में चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम दे रहे थे. दोनों आरोपी अपने शौक पूरे करने और ऐशोआराम की जिंदगी जीने के लिए महिलाओं को निशाना बनाते थे.

थाना प्रभारी डॉ. सहर्ष यादव के

नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए 20 वर्षीय नंदलाल जारवाल और 18 वर्षीय रोहन बिजौरिया, दोनों निवासी भोलाराम उस्ताद मार्ग, भंवरकुआं को गिरफ्तार किया. ये दोनों फिनिक्स मॉल के पीछे संदिग्ध अवस्था में बाइक सहित खड़े थे. पुलिस टीम को देखते ही दोनों भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया. पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने हाल ही में संचार नगर डायमंड कॉलोनी क्षेत्र में एक महिला के गले से मंगलसूत्र छीना था. आगे की पूछताछ में उन्होंने विजयनगर और किशनगंज थाना क्षेत्रों में भी इसी तरह की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की.

वारदात का तरीका

दोनों आरोपी छात्र बनकर भंवरकुआं क्षेत्र में रह रहे थे. वे दिन में कोचिंग संस्थानों में जाते और अवसर मिलते ही सुनसान इलाकों में अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर झपट्टा मारकर उनके गले से चेन और मंगलसूत्र खींच लेते थे. वारदात के बाद वे कुछ दिनों तक गायब रहते और फिर नई घटना को अंजाम देते थे.

आरोपियों से 5 लाख का माल बरामद

पुलिस ने आरोपियों से चेन स्नैचिंग में उपयोग की गई यामाहा एफजेड मोटरसाइकिल, मंगलसूत्र, मोती और चेन सहित करीब पांच लाख रुपए का माल बरामद किया है. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कनाड़िया, विजयनगर और किशनगंज थानों में अपराध दर्ज किए हैं. कनाड़िया पुलिस अब आरोपियों से यह भी पूछताछ कर रही है कि उन्होंने और किन इलाकों में वारदात की है तथा क्या कोई अन्य साथी भी इस गिरोह में शामिल है.

बच्चों के अश्लील वीडियो करता था वायरल

- मेटा की सूचना पर सायबर सेल ने पकड़ा, आरोपी को भेजा जेल

नव भारत न्यूज

इंदौर. राज्य सायबर सेल इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नाबालिग बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री प्रसारित करने वाले युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया. यह कार्रवाई अमेरिका स्थित कंपनी मेटा इंक फेसबुक/इंस्टाग्राम द्वारा गृह मंत्रालय, भारत सरकार को दी गई रिपोर्ट के आधार पर की गई.

जांच में सामने आया कि आरोपी कमल लोबानिया निवासी इंदौर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बने उन समूहों में सक्रिय था, जहां बच्चों से संबंधित प्रतिबंधित वीडियो साझा

किए जा रहे थे. वह इन वीडियो को डाउनलोड कर व्हाट्सऐप समूहों में भेजता था. ऑपरेशन नयन अभियान के तहत सायबर सेल की टीम ने तकनीकी विश्लेषण के बाद आरोपी को दबोच लिया. उसके पास से मोबाइल और सिम जब्त किए गए हैं. आरोपी के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की के तहत केस दर्ज किया है. सायबर सेल ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्लेटफार्म पर बाल अश्लील सामग्री दिखे तो उसकी तुरंत शिकायत करें और ऐसे समूहों से दूर रहें, क्योंकि अश्लील सामग्री का प्रसारण या डाउनलोड करना गंभीर अपराध है.

तेज रफ्तार ईको कार ने मारी टक्कर, महिला की मौत, पति घायल

- एमजी रोड पर हुआ हादसा, आरोपी चालक की तलाश जारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. एमजी रोड स्थित छप्पन दुकान के सामने सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार ईको कार ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी. हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है.

थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव ने बताया कि 60 वर्षीय मृतका ज्योति खोसे और 63 वर्षीय उसके पति जयंत खोसे निवासी गायत्री टेंट हाउस के पीछे, कनाड़िया, अपनी बाइक एमपी

13 एफआर 9064 से राजवाड़ा से घर लौट रहे थे. दोपहर करीब 2.30 बजे जब वे छप्पन दुकान के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रही सफेद रंग की मारुति ईको कार एमपी 09 डीएन 1144 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक से कार चलाते हुए टक्कर मार दी. टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े. राहगीरों ने तत्काल उन्हें सीएचएल केयर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने ज्योति को मृत घोषित कर दिया. जबकि, जयंत इलाजरत हैं. तुकोगंज पुलिस ने मृतका के पति की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस का कहना है कि घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लिए जा रहे हैं और वाहन चालक की तलाश की जा रही है.

एक नजर में

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

इंदौर. जूनी इंदौर रेलवे क्रॉसिंग के पास मंगलवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई, यह मामला तीन थानों की पुलिस के बीच उलझ गया है, फिलहाल भंवरकुआं पुलिस मामले की जांच कर रही है. जूनी इंदौर रेलवे क्रॉसिंग के पास 28 वर्षीय कालू पिता रघुनाथ निवासी जबरन कॉलोनी को ट्रेन ने टक्कर मार दी थी. गंभीर हालत में उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. बताया गया कि कालू मूल रूप से विदिशा जिले के सिरोंज गांव का रहने वाला था और मजदूरी के लिए इंदौर आया था. हादसे के बाद मामला तीन थानों में उलझ गया. जूनी इंदौर, रावजी बाजार और जीआरपी तीनों थानों ने इसे अपने क्षेत्र से बाहर बताते हुए मामला लेने से इनकार किया. फिलहाल, भंवरकुआं पुलिस ने जांच अपने हाथ में ली है और घटना स्थल को लेकर रिपोर्ट तैयार की जा रही है.

मरम्मत के दौरान लिफ्ट दुर्घटना में मजदूर की मौत

इंदौर. भंवरकुआं थाना क्षेत्र के ओसानबाग स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक वर्कशॉप में लिफ्ट की मरम्मत के दौरान हादसा हो गया. हादसे में 22 वर्षीय मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने जांच के बाद कॉन्ट्रेक्टर और मेकेनिक पर लापरवाही का मामला दर्ज किया है. थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने बताया कि मृतक की पहचान कृष्णपाल पिता मोतीलाल निवासी ग्राम बिहार कोटरा, जिला राजगढ़ वर्तमान पता नंदबाग कॉलोनी, बाणगंगा के रूप में हुई है. वह 20 सितंबर को तनिष्क इलेक्ट्रॉनिक, ओसानबाग, खंडेलवाल कंपाउंड, पालदा में काम कर रहा था. पुलिस जांच में सामने आया कि कॉन्ट्रेक्टर 31 वर्षीय दीपक केवट और मैकेनिक 32 वर्षीय महेश मांझी ने जानते हुए भी पुराना गियर बॉक्स और पुली लिफ्ट में लगवा दिए थे. मशीन सही से न चलने पर दीपक ने महेश को मरम्मत के लिए भेजा. महेश ने यह जानते हुए भी कि लोडिंग लिफ्ट बीच में अटकी है, उसे नीचे उतारे बिना ही सुधार का काम शुरू कर दिया. इसी दौरान लिफ्ट अचानक नीचे आ गई, जिससे गियर बॉक्स और पुली के टुकड़े उछलकर कृष्णपाल की जांघ में जा लगे. अधिक खून बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. भंवरकुआं पुलिस ने दोनों आरोपियों दीपक केवट और महेश मांझी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

शातिर बदमाश राकेश शाह जिलाबदर

इंदौर. आपराधिक गतिविधियों में लिप्त शातिर बदमाश 29 वर्षीय राकेश पिता बृजगोपाल शाह निवासी प्रीति नगर, खजराना के खिलाफ पुलिस आयुक्त इंदौर ने कड़ी कार्रवाई करते हुए जिला बदर का आदेश जारी किया है. आदेश के अनुसार, आरोपी को छह माह की अवधि के लिए इंदौर शहरी व देहात सहित आसपास के सीमावर्ती जिलों की सीमाओं में प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा. पुलिस ने बताया कि राकेश शाह के खिलाफ लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने की शिकायतें मिल रही थीं. उसके खिलाफ कई बार मारपीट, धमकी और अवैध गतिविधियों से संबंधित मामले दर्ज किए जा चुके हैं.

महालक्ष्मी नगर में दो गुटों में भिड़ंत, सात हिरासत में

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र के महालक्ष्मीनगर इलाके में देर रात दो गुटों के बीच झगड़ा हो गया. दोनों पक्षों ने बीच सड़क पर जमकर हंगामा किया, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सातों आरोपियों को हिरासत में ले लिया. थाना प्रभारी तारेश कुमार सोनी ने बताया कि बीट पर गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों को गौरव अपार्टमेंट, सेक्टर आर, महालक्ष्मीनगर के पास दो गुटों में झगड़े की सूचना मिली. मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने देखा कि एक पक्ष की ओर से मनु श्रीवास्तव 29 वर्ष, अरविंद शुक्ला 28 वर्ष, हिमालय पाल 26 वर्ष और गौरव पगारे 28 वर्ष सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार नम्बर एमपी 09 एएफ 2928 से आए थे, जबकि दूसरे पक्ष में आयुष श्रीवास्तव 22 वर्ष, पुरु चौरे 25 वर्ष और चाहत भल्ला 24 वर्ष शामिल थे. दोनों पक्षों ने सार्वजनिक स्थान पर मारपीट व हंगामा किया. समझाइश देने पर भी न मानने पर पुलिस ने सातों आरोपियों को हिरासत में लिया और आर्म्स एक्ट की धारा के तहत मामला दर्ज किया. पुलिस ने घटना में प्रयोग वाहन भी जब्त कर लिया है.

पेड़ पर लटकी बस में फंसे थे 30 यात्री, रातभर चला रेस्क्यू

- भैरूघाट बस हादसा, चालक फरार, की जा रही फिटनेस और परमिट की जांच

नव भारत न्यूज

इंदौर. भेरूघाट पर सोमवार रात हुए भीषण बस हादसे में बड़ी जनहानि का खतरा टल गया. पेड़ों के सहारे लटकी बस में फंसे करीब 30 यात्रियों को पुलिस और ग्रामीणों ने रस्सियों की मदद से बाहर निकाला. हादसे में तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 12 घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती किया गया है. सभी की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है.

घटना सिमरोल थाना क्षेत्र में हुई थी, हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया. उसके खिलाफ प्रकरण

दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है. डीएसपी हेडक्वार्टर उमाकांत चौधरी ने बताया कि मृतकों में अनीताबाई पति अशोक, राहुल पिता अजय और पदमाबाई शामिल हैं. दो शवों का पोस्टमार्टम मध्य भारत अस्पताल में तथा एक का एमवाय अस्पताल में किया गया. रात करीब 2 बजे तक घाट क्षेत्र में पुलिस, प्रशासन और ग्रामीणों की टीम राहत व बचाव कार्य में जुटी रही. अंधेरे और गहराई के बीच रस्सियों के सहारे यात्रियों को एक-एक कर निकाला गया. ग्रामीणों की सक्रियता से कई लोगों की जान बच सकी. क्रेन की मदद से बस को मंगलवार सुबह बाहर निकाला गया.

इधर, परिवहन विभाग की जांच में सामने आया कि हादसे के वक्त बस नीचे खाई में गिरने से पेड़ों पर अटक गई थी. विभागीय अधिकारियों ने बताया कि घटना स्थल पर पहले से ही एक कार पलटी हुई थी, जिससे स्पष्ट हुआ कि बस उसकी वजह से नहीं गिरी. आरटीओ की प्रारंभिक जांच में यह भी संभावना जताई गई है कि चालक को झपकी लगी हो या वह शराब के नशे में वाहन चला रहा हो. थाना प्रभारी सिमरोल अमित कुमार ने बताया कि बस का फिटनेस, परमिट और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है. रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी.

भेरू घाट बस हादसे के बाद एमवाय अस्पताल में अलर्ट मोड पर रही पूरी टीम

इंदौर. भेरू घाट पर सोमवार रात हुए बस हादसे के बाद घायलों को इंदौर के एमवाय अस्पताल लाया गया था. हादसे में घायल कुल 13 लोग अस्पताल पहुंचे, जिनमें एक महिला को मृत अवस्था में लाया था. इस दौरान एमवाय अस्पताल की पूरी टीम अलर्ट मोड पर रही. सोमवार रात करीब 11:30 बजे तक हादसे में घायल आठ मरीज एमवाय अस्पताल पहुंच चुके थे. सूचना मिलते ही एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया तत्काल अस्पताल पहुंचे और घायलों के उपचार की व्यवस्थाएं संभालीं. उन्होंने नर्सिंग स्टॉफ, विभागाध्यक्षों और अन्य डॉक्टरों को अलर्ट पर रखा. डॉ. घनघोरिया ने बताया कि मास कैजुअल्टी की स्थिति में अस्पताल की पूरी टीम तत्परता से जुट गई थी. घायलों के उपचार के लिए आपातकालीन विभाग में अतिरिक्त डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई. वहीं, सर्जरी, ऑर्थो और मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टर भी मौके पर मौजूद रहे.

एमबाय अस्पताल में यह की गई थी तैयारी

डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया के मुताबिक, प्रदेश का सबसे बड़ा और सुसज्जित एमवाय अस्पताल हर प्रकार की आपात स्थिति से निपटने में सक्षम है. यहां एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों के स्पेशलिस्ट डॉक्टर 24 घंटे सेवाएं देते हैं. अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट, ऑर्गन डोनेशन सेंटर, ब्लड बैंक, मिल्क बैंक, डायलिसिस यूनिट और एडवांस केजुअल्टी वार्ड जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं. साथ ही राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना, राज्य बीमारी सहायता योजना और दीनदयाल योजना जैसी कई जनकल्याणकारी योजनाएं भी एमवाय में संचालित हैं.

हत्या के बाद भाई के घर जाकर सो गया आरोपी, पुलिस ने धरदबोचा

- सोमवार रात केटीएम शो-रूम के पास हुई हत्या का मामला

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर थाना क्षेत्र में हुई शुभम उर्फ कालू की हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी वारदात के बाद अपने भाई के घर परदेसीपुरा जाकर सो गया था, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया.

सोमवार रात केटीएम शो-रूम के पास शुभम उर्फ कालू का शव सड़क पर मिला था. प्रत्यक्षदर्शियों ने सूचना दी

तो पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एमवाय अस्पताल भिजवा दिया था. जांच में सामने आया कि कालू की हत्या उसी के परिचित कुणाल पंवार ने की थी. डीसीपी राजेश व्यास ने बताया कि आरोपी कुणाल मूल रूप से कोदरिया, महू का रहने वाला है और फिलहाल हीरानगर क्षेत्र की एक बस्ती में रहता था. घटना से कुछ समय पहले दोनों ने साथ में शराब पी थी. इसी दौरान विवाद हुआ और कुणाल ने कालू पर चाकू से चार वार कर दिए. अधिक रक्तस्राव होने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि दोनों ही आपराधिक प्रवृत्ति के थे और पुराने परिचित थे. वारदात के बाद आरोपी सीधे अपने भाई के घर पहुंचा और सो गया था. तड़के पांच बजे पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया. आरोपी से हत्या में उपयोग किया चाकू बरामद कर लिया है.

खजराना निवासी युवक कर रहा था एमडी ड्रग की तस्करी

- *लसूड़िया पुलिस ने की 10.34 ग्राम एमडी ड्रग बरामद*

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस की एंटी-ड्रग्स मुहिम के तहत लसूड़िया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है, जो शहर में एमडी ड्रग की सप्लाई नेटवर्क का हिस्सा बनकर सक्रिय था. आरोपी से 10.34 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया है.

डीसीपी जोन-2 कुमार प्रतीक, एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह और एसीपी विजयनगर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लसूड़िया ने एक विशेष टीम गठित की. टीम को सूचना मिली थी कि खजराना निवासी साजिद खान नामक युवक महालक्ष्मी नगर, खालसा चौक और निरंजनपुर सब्जी मंडी क्षेत्र में एमडी ड्रग की तस्करी में सक्रिय है. मुखबिर की पुख्ता सूचना पर पुलिस ने देर रात निरंजनपुर सब्जी मंडी के पास दबिश दी और आरोपी 19 वर्षीय साजिद खान पिता रफीक खान, निवासी जल्ला कॉलोनी, खजराना को पकड़ा. आरोपी के कब्जे से 10.34 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग, एक काली स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया. पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को पुलिस रिमांड पर भेजा है. लसूड़िया पुलिस अब आरोपी से उसके नेटवर्क और अन्य साथियों के संबंध में पूछताछ कर रही है. पुलिस को शक है कि आरोपी किसी बड़े गिरोह से जुड़ा हुआ है, जो शहर के विभिन्न इलाकों में एमडी ड्रग की सप्लाई करता है.

एक नजर में

बाजारों और वाहनों के बढ़ते घनत्व की अनदेखी ने बनाई भयावह स्थिति

शहर में बढ़ती यातायात समस्या भविष्य में हो सकती है विस्फोटक

इंदौर. आजादी के बाद के इंदौर और आज के इंदौर में जमीन-आसमान का अंतर है. यातायात की मुख्य समस्या सबसे बड़ी चुनौती के रूप में दिखाई दे रही है. शहर के राजवाड़ा को केन्द्र मानकर यदि हम 5-6 किलोमीटर के दायरे में ही देखें तो जो दृश्य है, वह बहुत ही भयावह है. नागरिकों, बाजारों और वाहनों का घनत्व दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है. एक तरफ चार पहिया वाहनों की अधिक बिक्री, वहीं यातायात विभाग की अनदेखी. ऐसी स्थिति में भविष्य को लेकर भी कोई योजना नहीं है. इससे शहर का बढ़ता यातायात अब लोगों के लिए मुसीबत बनते जा रहा है.

कुछ वर्ष पूर्व शहर के दो बड़े मुख्य मार्ग जवाहर मार्ग एवं एमजी रोड पर ही वाहनों की सर्वाधिक संख्या देखने को मिलती थी, लेकिन वर्ष 2015 के बाद से शहर के हर मार्ग पर अचानक यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है. इसमें प्रमुख रूप से दो और चार पहिया वाहनों की बढ़ती बिक्री मुख्य कारण प्रतीत होता है. हर वर्ष लाखों वाहनों के पंजीयन हो रहे हैं. इसके साथ ही बढ़ते स्कूल-कॉलेज और इनके द्वारा संचालित बसों के अलावा शहर में चल रहे हजारों ई-रिक्शा ने भी शहर के हर क्षेत्र में जनता की समस्याएं बढ़ा दी हैं. सुबह दस बजे से लेकर रात्रि दस बजे तक सडक़ों पर दो पहिया वाहन चलाना दूभर हो गया है. गतिहीन यातायात के कारण लोगों के सफर में दो-तीन गुना ज्यादा समय लग रहा है. एक जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 में पौने दो लाख तो वर्ष 2024 के दिसंबर में करीब दो लाख वाहन आरटीओ में पंजीकृत किए गए थे. यदि इसी तरह वाहनों की संख्या बढ़ती रही तो आने वाले समय में शहर की सडक़ों पर यातायात विस्फोटक हो सकता है.

यह बोले नागरिक...

जितने लोग हैं, उससे ज्यादा तो शहर में वाहन हो चुके हैं. इंदौर में जो वाहन पंजीकृत हैं, उसके अलावा बाहर से आकर यहां चलने वाले वाहन तो गिनती के बाहर ही हैं.

- किशन लाल

शहर में चार पहिया वाहनों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है. हर तरफ कार ही कार नजर आती हैं. ऐसे में छोटे वाहनों के लिए सडक़ कम पड़ जाती है. मामला चिंताजनक है. इसे गंभीरता से लेना चाहिए.

- सचिन सिलावट

सुबह दोपहर शाम को वाहनों के बीच दौड़ती स्कूल बसें तो यातायात को बाधित करती ही हैं, वहीं बड़े वाहनों की भी संख्या बढ़ रही है. आने वाले समय में यह समस्या और भी दुखदायी हो सकती है.

- शादाब खान